

# असाधारण EXTRAORDINARY

भाग 11—क्षत्र 3—उप-क्षत्र (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

# प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 440]

नई विस्त्री, मंगलवार, सितम्बर 11, 1984/मात्र 20, 1906

No. 440] NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 11, 1984/BHADRA 20, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की ज़ाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रक्ता का सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### उद्योग मंत्रालय

(भौद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली 11 सितम्बर 1984

# भावेश

का. था. 691 (घ) .— केन्द्रीय सरकार विकास परिषद् (प्रिकि-यारमक) नियम 1952 के नियम 4 और 5 के साथ पठित उद्योग (विकास भीर विनियमन) भीधिनियम, 1951 (1951 का 65) की घारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित व्यक्तियों को तरकाल प्रभावी रूप में दो वर्ष की भविध के लिए पोत निर्माण, पोत मरम्मत भीर भानुषंगिक मयों के विनिर्माण में लगे हुए भनुसूचित उद्योगों की विकास परिषद् का सवस्य नियुक्त करती है।

पोत निर्माण, पोत मरम्मत ग्रीर भनुषंगी मवें

1. सचिव नौवहन भीर परिवहन मंत्रालय	प्रष्यक्ष
2. सचिव रक्षा उत्पादन विभाग या उसका नामनिर्वेशिती	सदस्य
3. महानिवेशक, तकनीकी विकास या उसका नामनिर्देशिती	सदस्य
4. विक्रांस मागुक्त (लघु उद्योग) या उसका नामनिर्दे-	
<b>गि</b> सी	सदस्य
<ol> <li>महानिदेशक नौबह्न या उसका मामनिर्वेशिती</li> </ol>	सदस्य

-	
<ol> <li>प्रध्यक्ष भीर प्रबंध निवेशक हिन्दुस्तान शिपयाई लिमिटेड</li> </ol>	सवस्य
<ol> <li>ग्रास्थ्यक्ष भीर प्रबंध निवेशक मजगांव बाक लिमिटेंब</li> </ol>	सवस्य
<ol> <li>इंडियन पोर्टस एसोसिएशन का एक प्रतिनिधि</li> </ol>	सदस्य
<ol> <li>इंडियन नेशनल शिपमीनसे एसोसिएशन का एक प्रसि- निधि</li> </ol>	सदस्य
11. एसोसिएशन घाफ इंडियन इंजीनियरिंग इन्डस्ट्री (एस बी घार ए डिवीजन) का एक प्रतिनिधि	सदस्य
12. ग्रामुवंगिक उद्योगों का एक प्रतिनिधि	सवस्य
<ol> <li>प्राइवेट सेन्टर में पोत मरम्मत याखें का एक प्रति- निधि</li> </ol>	सवस्य
<ol> <li>विकास सलाहकार ( पोत निर्माण ग्रीर पोल मरम्भत) नौबहन ग्रीर परिवहन मंत्रालय</li> </ol>	सदस्य
15. संयुक्त सचिव (नौवहन) नौवहन भौर परिवहन मंत्रालय	सवस्य-सिवव

6. ब्राध्यक्ष भीर प्रबंध निवेशक भारतीय नीवहस निगम

विकास परिषद् के इत्य वे होंगे जो उद्योग (विकास धौर विनियमन) भिधिनियम 1951 की दूसरी मनुसूची में प्रगणित हैं।

> [फा. सं. 1/6/84-एल. पी.] बी. के. बानना, संयुक्त संख्व

सदस्य

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

#### ORDER

New Delhi, the 11th Sept. 1984

S.O. 691(E).—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), read with rules 4 and 5 of the Development Councils (Procedu al) Rules, 1952, the Central Government hereby appoints, for a period of two years with immediate effect the following persons to be members of the Development Council for the Scheduled Industries engaged in Shipbuilding, Ship-repairs and manufacture of Ancillary Items.

ent Council for Shipbuilding, Ship-repairs and
Ancillary Items

ry of Shipping and Transport Chairman
etary,
priment of Defence Production
or his nominee. Member

- 3. Director General of Technical Development or his nominee. Member
- 4. Development Commissiner (Small Scale Industries) or his nominee. Member
- 5. Director General of Shipping or his nominee Member

Membor
Member
Member
Member
<b>Me</b> mber
Member
Member
Member
Member
Member Secretary.

The functions of the Development Council shall be those as enumerated in the Second Schedule to the Industries (Development and Regulation) Act, 1951.

[No. 1/6/84-LP]

V.K. CHANANA, Jt. Sccy